

राजस्थान सरकार
पर्यटन विभाग

पर्यटन भवन, संजय मार्ग, विधायकपुरी थाने के सामने, जयपुर

क्रमांक: एफ.10(265)विविध सा./सा. भ./पवि/2025/

दिनांक: ई-हस्ताक्षरानुसार

खुली बोली सूचना 262

विभाग में दो वर्ष की अवधि के लिए दर संविदा हेतु बोलियां के इच्छुक/अनुभवी बोलीदाताओं से मुहरबन्द लिफाफे में खुली बोली आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	निविदा का विवरण	अनुमानित लागत	निविदा प्रपत्र शुल्क	बोली प्रतिभूति राशि	निविदा जारी किये जाने की तिथि	निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय	निविदा खोलने की तिथि व समय
1.	विविध सामग्री	9.60 लाख (4.80 लाख प्रतिवर्ष)	500/-	19200/-	25.06.2025	03.07.2025 1.00 पी.एम	03.07.2025 3.00 पी.एम

- बोली दस्तावेज प्रपत्र एवं शर्तें विभागीय वेबसाइट "www.tourism.rajasthan.gov.in" अथवा "www.dipr.rajasthan.gov.in" अथवा sPPP portal पर भी देखी व डाउनलोड की जा सकती है। वेबसाइट पर डाउनलोड किये गये प्रत्येक प्रपत्र की कीमत रुपये 500/- बोलीदाता द्वारा पृथक से डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा नगद जैसा भी हो, जमा कराना होगा।
- इच्छुक बोलीदाता उपर्युक्त सभी आईटमों अथवा कम के लिए अपनी बोली प्रस्तुत कर सकता है। दर प्रस्ताव संबंधित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में अंको व शब्दों में प्रस्तुत किये जावें।
- बिना बोली प्रतिभूति राशि के प्राप्त तथा सशर्त निविदाएं स्वीकार्य नहीं होगी।

(अजीत सिंह)

कार्यालयाध्यक्ष एवं उप निदेशक (सा.भ.)

Signature valid

Digitally signed by Ajit Singh
Designation: Deputy Director
Date: 2025.05.30 17:27:04 IST
Reason: Approved



राजस्थान सरकार
पर्यटन विभाग

पर्यटन भवन, संजय मार्ग, विधायकपुरी थाने के सामने, जयपुर

क्रमांक: एफ.10(265)विविध सा./सा. भ./पवि/2025/

दिनांक: ई-हस्ताक्षरानुसार

खुली बोली सूचना 262

विविध सामग्री

क्र. सं.	विवरण	
1.	निविदा प्रस्तुत करने वाली फर्म का नाम एवं डाक का पुरा पता	
2.	निविदादाता का दूरभाष एवं मोबाईल नम्बर	
3.	संदर्भ बोली सूचना क्रमांक: एफ.10 (265) विविध/सा.भ./पवि/2025दिनांक	
4.	किसको सम्बोधित किया गया है:-	आयुक्त एवं शासन सचिव, पर्यटन विभाग, जयपुर
5.	निविदा शुल्क राशि	रूपये 500/- (अक्षरे रूपये पाँच सौ मात्र) रसीद/डिमाण्ड ड्राफ्ट/बैंकर चैक संख्या ----- दिनांक ----- संलग्न है।
6.	निविदा धरोहर राशि	रूपये 19200/- रसीद/डिमाण्ड ड्राफ्ट/बैंकर चैक संख्या दिनांक.....संलग्न है।
7.	GST/Service Tax Clearence Certificate का विवरण	
8.	PAN नम्बर	
9.	यदि निविदादाता लघु उद्योग में कोई इकाई है तो अधिकृत विभाग को प्रमाण पत्र सलंग्न करें	

मैंने पर्यटन विभाग जयपुर राजस्थान द्वारा जारी की गई प्रपत्र के साथ संलग्न समस्त शर्तों को स्वीकार करने साक्ष्य के रूप में मैंने/हमने हस्ताक्षर किये है जिन्हें मैं/हम मानने के लिए बाध्य हूँ।

हस्ताक्षर बोलीदाता

Signature valid

Digitally signed by Ajit Singh
Designation: Deputy Director
Date: 2025.06.30 17:27:04 IST
Reason: Approver

पर्यटन विभाग

क्रमांक: एफ.10(265)विविध सा./सा. भ./पवि/2025/

दिनांक: ई-हस्ताक्षरानुसार

विविध सामग्री हेतु वित्तीय बोली

क्र. सं.	सामग्री का नाम	फर्म द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली दर का मानक	दर (समस्त करों सहित) रुपयों में
1.	विजिटिंग कार्ड एलबम ए-4 साईज	प्रति पीस	
2.	पेपर नेपकिन	प्रति पैकेट	
3.	टिस्सू पेपर	प्रति पैकेट	
4.	हिट स्प्रे	प्रति पीस	
5.	प्लास्टिक सूतली	प्रति किलो	
6.	रबड बेन्ड	प्रति पैकेट	
7.	टॉयलेट साबुन (50 ग्राम)	प्रति पीस	
8.	लिक्विड विम (बर्तन धोने का) 500 ML	प्रति किलो	
9.	पेंसिल सेल (AA)	प्रति पीस	
10.	पेजर पैन्सिल सैल	प्रति नग	
11.	पेंसिल सैल (AAA)	प्रति नग	
12.	केम्पर (सेलो) 5 लीटर एवं 10 लीटर	प्रति पीस	
13.	जग प्लास्टिक (2 लीटर) (सैलो)	प्रति पीस	
14.	डस्टबीन छोटी (प्लास्टिक) ढक्कन वाले	प्रति पीस	
15.	डस्टबीन बड़ी (प्लास्टिक) ढक्कन वाले	प्रति पीस	
16.	प्लास्टिक ऑफिस सर्विस ट्रे 18"x9"	प्रति पीस	
17.	प्लास्टिक ऑफिस सर्विस ट्रे 24"x12"	प्रति पीस	
18.	रूम स्प्रे 125 ग्राम (गुलाब, चन्दन, चमेली, हजारा)	प्रति पीस	
19.	रूम स्प्रे गोदरेज एयर	प्रति पीस	
20.	प्लास्टिक बाल्टी 10 लीटर (सैलो)	प्रति दर्जन	
21.	प्लास्टिक मग 500 एम.एल. (सैलो)	प्रति दर्जन	
22.	गोदरेज एयरफ्रेशनर जेल	प्रति दर्जन	
23.	कॉलीन 500 एम.एल.	प्रति बोतल	
24.	कपूर की गोली	प्रति किग्रा	
25.	ऑल आउट मशीन	प्रति नग	
26.	आल आउट रिफिल	प्रति नग	
27.	तौलिया बडे डीसीएम/बोम्बे डाईंग	प्रति नग	
28.	तौलिया छोटे डीसीएम/बोम्बे डाईंग	प्रति नग	

Signature valid

Digitally signed by Ajit Singh
Designation: Deputy Director
Date: 2025.05.30 17:27:04 IST
Reason: Approved

29.	तैलिया बडे ट्रिडेण्ट	प्रति नग	
30.	तैलिया छोटे ट्रिडेण्ट	प्रति नग	
31.	पायदान जूट	प्रति नग (साईज सहित)/ प्रति फिट	
32.	पायदान प्लास्टिक	प्रति नग (साईज सहित)/ प्रति फिट	
33.	डिप चाय ताज (प्रति पैकेट सौ इकाई)	प्रति पैकेट	
34.	शुगर क्यूब	प्रति पैकेट	
35.	दूध पाउडर ऐवरी 1/2 किलो पैकेट	प्रति पैकेट	
36.	लेमन टी	प्रति पैकेट	
37.	गिनार टी बैग (प्रति पैकेट 36 इकाई)	प्रति पैकेट	
38.	कॉफी नेस्केफे क्लासीक 100 ग्राम	प्रति पैकेट	
39.	कॉफी नेस्केफे क्लासीक 200 ग्राम	प्रति पैकेट	
40.	कॉफी नेस्केफे गोल्ड क्लासीक 100 ग्राम	प्रति पैकेट	
41.	कॉफी Davidoff Espresso 57 Intense 100 ग्राम	प्रति पैकेट	
42.	चॉकलेट पावडर	प्रति पैकेट	
43.	लिक्विड हेण्ड वॉश डिटोल 200 ML	प्रति नग	
44.	कप प्लेट सेट (भारत) प्रति सेट 6 इकाई	प्रति सेट	
45.	गिलास सेट (भारत) प्रति सेट 6 इकाई	प्रति सेट	
46.	ताले हरीसन 8 लीवर	प्रति नग	
47.	थर्मस-सेलो (1 लीटर) थर्मस-मिल्टन (1 लीटर)	प्रति नग प्रति नग	
48.	मीटिंग स्टैण्ड प्लास्टिक ए 4	प्रति नग	
49.	वाईपर 1.5 फुट चौड़ाई	प्रति नग	
50.	काँच की बोतल सेलो/बोरोसिल (1 लीटर)	प्रति नग	
51.	स्टील बोतल मिल्टन/सेलो (1 लीटर)	प्रति नग	
52.	डिफ्यूजर ऑयल 10 ML	प्रति नग	
53.	बोरोसिल ग्लास (300 एम. एल.)	06 पीस प्रति सेट	
54.	बोरोसिल ग्लास (330 एम. एल.)	06 पीस प्रति सेट	
55.	हारपिक 500 एम. एल.	प्रति नग	
56.	सर्फ	प्रति किलो	
57.	ऑडोनील टिकिया	प्रति नग	
58.	Godrej Aer Power Pocket 10 gm	प्रति नग	
59.	विधुत कंटेली 1 लीटर	प्रति नग	
60.	बिसलरी पानी (500 एम.एल)	प्रति नग	

Signature valid

Digitally signed by Ajit Singh
Designation: Deputy Director
Date: 2025.05.30 17:27:04 IST
Reason: Approved

61.	कोडलेस बैल	प्रति नग	
62.	एक्सटेंशन बोर्ड :- Ancer Havels R.R.	प्रति नग प्रति नग प्रति नग	
63.	डिस्पोजन कोफ कप (नेस्केफे)	प्रति नग	
64.	डोर क्लोजर (विद फिटींग)	प्रति नग	

- नोट:-**
1. अंको एव शब्दों में दी गई दरों में अन्तर होने पर जो दर कम होगी वह ही मान्य होगी।
 2. प्रपत्र में दी गई सामग्री की मात्रा में आवश्यकतानुसार परिवर्तन हो सकता है।
 3. यदि अनुमत किस्म, मेक या परिमाण के अलावा सामान का अन्यथा प्रदाय होता है तो वह स्वीकार नहीं किया जायेगा।
 4. कमेटी द्वारा सामग्री की मार्का, तादाद आदि सत्यापित करने के पश्चात ही स्टोरकीपर द्वारा सामग्री स्वीकार की जावेगी।

बोलीदाता के हस्ताक्षर

1. **विविध सामग्री** – विभाग को दो वर्ष की अवधि के दौरान अनुमानित राशि रु. 9.60 लाख की विविध सामग्री की आवश्यकता होगी। संभावित विविध सामग्री का विवरण इस हेतु निर्धारित द्वितीय बोली प्रपत्र में अंकित है। सफल बोलीदाता को आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति तदनुसार एवं कार्यादेश में निर्धारित अवधि में करनी होगी।

Signature valid

Digitally signed by Ajit Singh
Designation: Deputy Director
Date: 2025.05.30 17:27:04 IST
Reason: Approved

उ हस्ताक्षर किये जाने चाहिए।

13. बोलीदाता को, निविदा और करार की शर्तों और प्रपत्र के प्रत्येक पृष्ठ के अन्त में हस्ताक्षर करने चाहिए।
14. सफल बोलीदाताओं को निर्धारित प्रारूप में नियमों में निर्धारित राशि के नान-ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर निर्धारित प्रपत्र में एक करार निष्पादित करना होगा तथा अनुबन्ध राशि की 5 प्रतिशत: राशि प्रतिभूति के रूप में बैंकर चैक/डी.डी द्वारा जमा करवानी होगी निविदा अवधि के समाप्ति के पश्चात लौटा दी जाएगी। ऐसी प्रतिभूति की रकम पर विभाग द्वारा कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा। करार को पूर्ण करने तथा उस पर स्टाम्प लगाने के व्ययों का संदाय प्रदायक करेगा। प्रदायक को स्टाम्प लगे हुये निष्पादित करार की एक प्रतिलिपि निःशुल्क दी जायेगी। यदि बोलीकारों को प्रतिभूति निक्षेप जमा कराने या विहित कालावधि के करारनामा निष्पादित करने में विफल रहता है तो इस प्रकार विफल रहने को निबन्धनों तथा शर्तों का भंग माना जायेगा तथा बोली प्रतिभूति राशि जब्त कर ली जायेगी। निबन्धनों तथा शर्तों को भंग करने या अनुबन्ध को असंतोषप्रद ढंग से पूरा करने पर प्रतिभूति राशि क्रेता अधिकारी द्वारा पूर्णतः या अंशतः जब्त कर ली जायेगी और इस सम्बन्ध आयुक्त, पर्यटन विभाग, जयपुर का निर्णय अन्तिम होगा।
15. संदाय पर विप्रेक्षण व्यय (रेमिटेंस चार्ज) संविदाकारों द्वारा वहन किये जायेंगे।
16. यदि बोली सामान की सप्लाई विनिर्दिष्ट समय के भीतर या वर्णित समय के भीतर पूरी नहीं की गई तो क्रेता अधिकारी को यह हक होगा कि वह बोलीकार को सूचना दिये बिना बोलीकार के हिसाब में और उसकी जोखिम (रिस्क एण्ड कोस्ट) पर यह माल या उसका कोई भाग जो बोलीकार सप्लाई न कर पाया हो, और कहीं से भी खरीद लेगा। बोलीकार की सेवाएं असंतोषप्रद होने पर विभाग को यह अधिकार होगा कि वह संविदा को रद्द कर दे तथा प्रतिभूति राशि पूर्णतः या आंशिक रूप से जब्त कर ले। इस सम्बन्ध में आयुक्त एवं शासन सचिव, पर्यटन विभाग, जयपुर का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।
17. कोई अग्रिम संदाय नहीं किया जायेगा एवं विधि मान्यता की अवधि तथा सुपुर्दगी की अवधि परस्पर सहमति होने पर नियमानुसार बढ़ाई जा सकेगी।
18. RTTP एक्ट 2012 धारा 46 (4) के अनुसार जहाँ किसी बोली लगाने वाले की सम्पूर्ण बोली प्रतिभूति या सम्पूर्ण कार्यसंपादन प्रतिभूति या, यथास्थिति, उसका कोई भी प्रतिस्थापन किसी उपापन संस्था द्वारा किसी भी उपापन प्रक्रिया या उपापन संविदा में समपहृत कर लिया गया है तो बोली लगाने वाले को उपापन संस्थान द्वारा हाथ में ली जाने वाली किसी भी उपापन प्रक्रिया में भाग लेने से 3 वर्ष से अनधिक की कालावधि के लिए विवर्जित किया जा सकेगा।
19. RTTP एक्ट 2012 धारा 42 (घ) के अनुसार सफल बोली लगाने वाला घोषित होने के पश्चात् बोली लगाने वाले दस्तावेजों के निबंधनों में अपेक्षित, कार्यसंपादन प्रतिभूति या कोई अन्य दस्तावेज या प्रतिभूति उपलब्ध करवाने में, वैध आधारों के बिना असफल रहता है, वह, बोली लगाने वाले दस्तावेजों या संविदा में उपलब्ध अवलम्ब के अतिरिक्त ऐसे जुर्माने से दण्डनीय होगा जो पचास लाख रुपये या उपापन के निर्धारित मूल्य के दस प्रतिशत, जो भी कम हो, तक का सकेगा।
20. विभाग न्यूनतम दर वाली संविदा दर को स्वीकार करने के लिये बाध्य नहीं है तथा किसी भी बोली या उसके किसी भाग को बिना कारण बताए अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है।
21. बोलीदाता, बोली के साथ अनिवार्य रूप से GST रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट संलग्न करेगा। जिनके बिना बोली पर विचार नहीं किया जा सकेगा। ऐसी फर्म जिनका GST से रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है तो ऐसी फर्म निविदा में भाग नहीं ले सकती है।
22. वैधानिक क्षेत्राधिकार जयपुर में स्थित न्यायालय ही होंगे।
23. बोली प्रपत्र में सुपुर्दगी के लिए विनिर्दिष्ट समय को संविदा के सार रूप में समझा जावे तथा सफल बोलीदाता क्रेता अधिकारी से आर्डर के प्राप्त होने पर निर्धारित मूल्य पर सुपुर्दगी के लिए उपलब्ध अवलम्ब
24. परिनिर्धारित क्षति : विलम्बित सुपुर्दगी के मामलों में सुपुर्दगी के लिए उपलब्ध अवलम्ब हेतु निम्नांकित विवरणानुसार परिनिर्धारित क्षति वसूल की जावेगी।

Signature valid

Digitally signed by Ajit Singh
Designation: Deputy Director
Date: 2025.05.30 17:27:04 IST
Reason: Approver

- (क) निर्धारित सुपुर्दगी अवधि के एक चौथाई अवधि के विलम्ब के लिए क्रय आदेश का 2.5 प्रतिशत
 (ख) एक चौथाई अवधि से अधिक किन्तु विहित अवधि की आधी अवधि से अनाधिक विलम्ब
 के लिए क्रय आदेश का 5 प्रतिशत
 (ग) आधी अवधि से अधिक किन्तु विहित अवधि के तीन चौथाई से अनाधिक अवधि विलम्ब
 के लिए क्रय आदेश का 7.5 प्रतिशत
 (घ) विहित अवधि के तीन चौथाई से अधिक विलम्ब के लिए 10 प्रतिशत

25. बोली प्रपत्र के साथ क्रय की जाने वाली सामग्री की सूची संलग्न है, जिसमें वर्णित स्पेशिफिकेशन/मार्का के अनुसार ही दरें प्रस्तुत की जावे। एक वस्तु की एक ही दर बोली प्रपत्र में दी जावे। एक से अधिक दरें होने पर न्यूनतम वाली दर को ही माना जावेगा। निर्धारित स्पेशिफिकेशन/मार्का से भिन्न अन्य स्पेशिफिकेशन/मार्का की दरें नहीं दी जावे।
26. निविदा में वर्णित सामग्री के सेम्पल किसी भी कार्यदिवस को कार्यालय समय में आकर देखे जा सकते हैं।
27. सामान की सुपुर्दगी के लिए भुगतान बोलीदाता क्रेता अधिकारी को उचित प्रारूप में सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियमों के अनुसार बिल प्रस्तुत करने पर किया जा सकेगा। बिल का भुगतान कोषालय से बिल पारित होने के पश्चात ही किया जावेगा।
28. बोली खोले जाने की तारीख से 90 दिवस की अवधि के लिये विधिमान्य होगी तथा बोली के स्वीकृत होने की स्थिति में आदेश की दिनांक से 2 वर्ष तक विधिमान्य होगी।
29. सामान की अदायगी बोलीदाता जिसकी बोली स्वीकार की जावेगी। आदेश निर्धारित दिवस में सभी सामान प्रदाय करेगा। विलम्बित सुपुर्दगी के लिए परिनिर्धारित राशि वसूल की जावेगी।
30. यदि क्रेता अधिकारी किन्हीं निविदत्त वस्तुओं की खरीद नहीं करता है या बोली प्रपत्र में निर्दिष्ट मात्रा में कम या अधिक खरीदता है तो निविदादाता किसी क्षतिपूर्ति का दावा करने का हकदार नहीं होगा।
29. उपरोक्त शर्तों के अलावा RTPP Rule 2012, एवं RTPP नियम 2013 एवं CF&AR के नियम की शर्तें एवं प्रावधान लागू रहेंगे।
30. जिन बोलियों हेतु आवश्यक है, विक्री कर एवं सेवाकर, पंजियन एवं कर चुकता प्रमाण पत्र :-कोई भी डीलर यदि उस राज्य में प्रचलित जहां उनका व्यवसाय स्थित है। GST के अन्तर्गत पंजिकृत नहीं है तो व निविदा नहीं देगा। GST पंजियन संख्या का उल्लेख किया जाना चाहिए तथा GST प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जायेगा तथा जिसके बिना निविदा को रद्द कर दिया जायेगा।
31. दरों की तुलना :- राजस्थान के बाहर की फर्मों तथा राजस्थान के भीतर की उन फर्मों जा नियमों के अन्तर्गत मूल्य अधिमान की हकदार नहीं है, द्वारा निविदत्त दरों की तुलना करने में GST को शामिल किया जायेगा।
32. मूल्य अधिमान :- मूल्य अधिमान/अधिमान, राजस्थान के उद्योगों द्वारा उत्पादित या विनिर्मित मालों को राजस्थान के बाहर के उद्योगों द्वारा उत्पादित या विनिर्मित मालों पर भण्डार क्रय (राजस्थान के उद्योगों को अधिमान)नियम, 1995 के अनुसार दिया जायेगा।
33. सफल निविदादाता को कार्य की लागत की 5 प्रतिशत राशि कार्य सम्पादन प्रतिभूति के रूप में जमा करानी होगी एवं विहित मूल्य के स्टॉम्प पेपर पर अनुबन्ध निष्पादित करना होगा।
34. निविदा प्रपत्रों के साथ डिमाण्ड ड्राफ्ट/केश रिसिप्ट संलग्न की जावें।
35. कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि की जब्ती: -
 कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि की निम्नलिखित मामलों में जब्त की जा सकती है: -
1. बोलीदाता द्वारा चूक होने पर या निर्दिष्ट समय के भीतर संतोषजनक ढंग से पूर्ण आपूर्ति करने में विफल रहने पर, खरीद करने वाली संस्था, इसके अन्य अधिकारों और उपायों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, इसके तहत या कानून के तहत, बोलीदाता को पूर्ण धूम्र पत्रों के लिए जम्मा में कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि से नकदीकरण करने की हकदार होगी, या 2. बोलीदाता आरटीपीपी अधिनियम की धारा 11 और आरटीपीपी नियमों के अध्याय 1, नियम 11 के अन्तर्गत जम्मा के तहत बोलीदाताओं के लिए निर्धारित सत्यनिष्ठा सन्धि के अन्तर्गत कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि को जम्मा करने के लिए उत्तरदायी होगा।

Signature valid

Digitally signed by Ajit Singh
 Designation/Deputy Director

Date: 2025.05.30 13:27:04 IST
 Reason: Approved

3. यदि खरीद करने वाली संस्था के निर्णय में आरटीपीपी नियमों के नियम 13 और राजस्थान सरकार की अधिसूचना संख्या एफ.2(1)एफडी/जीएंडटी-एसपीएफसी/2017 दिनांक 01.01.2021, 15.01.2021 और 30.03.2021 के अनुसार भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से लाभकारी स्वामित्व वाले बोलीदाता को राज्य में किसी भी सार्वजनिक खरीद में भाग लेने के लिए, जिन्हें सक्षम प्राधिकारी के साथ पूर्व पंजीकरण के बाद ही अनुमति दी जा सकती है, ने आवश्यकता का अनुपालन नहीं किया है।

कार्य निष्पादन प्रतिभूति की ज़बती के मामले में क्रयकर्ता इकाई को उचित समय से पहले सूचना देनी होगी तथा क्रयकर्ता इकाई का निर्णय अंतिम होगा।

यदि बोलीदाता माल की आपूर्ति के दौरान, आरटीपीपी अधिनियम की धारा 42 में उल्लिखित खरीद प्रक्रिया में हस्तक्षेप करता है, तो निम्नलिखित कार्रवाई की जा सकती है:

प. आरटीपीपी अधिनियम की धारा 42 के अनुसार, बोलीदाता को पचास (50) लाख रुपये तक का जुर्माना या खरीद के मूल्यांकन मूल्य का दस प्रतिशत जो भी कम हो, के अलावा कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि जब्त करने के साथ दंडित किया जा सकता है; और/या आरटीपीपी अधिनियम की धारा 46 के अनुसार, बोलीदाता को तीन (03) वर्षों से अधिक की अवधि के लिए खरीद इकाई द्वारा की जाने वाली किसी भी खरीद प्रक्रिया में भाग लेने से रोका जा सकता है।

(अजीत सिंह)

कार्यालयाध्यक्ष एवं उप निदेशक (सा.भ.)

बोली प्रपत्र की उक्त समस्त शर्तों को मैंने/हमने पढ़ लिया, समझ लिया है तथा मैं/हम उपर्युक्त सभी शर्तों से प्रतिबंधित रहेंगे/रहूंगा। मैंने/हमने अपनी सहमति स्वरूप निविदा प्रपत्र के प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर कर दिये हैं।

बोलीदाता के हस्ताक्षर
मय मोहर

Signature valid

Digitally signed by Ajit Singh
Designation: Deputy Director
Date: 2025.05.30 17:27:04 IST
Reason: Approved

निविदादाताओं द्वारा घोषणा

मैं/हम/घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने जिन मालो/ सामानों/ उपकरणों के लिए निविदा दी है, उनका/उनके/मैं/हम/बोनाफाइड विनिर्माता/थोक विक्रेता/सोल वितरक/प्राधिकृत डीलर/डीलर/सोल विक्रय/विपणन एजेंट हूँ।

यदि यह घोषणा असत्य पाई जाए तो किसी भी अन्य कार्यवाही, जो की जा सकती है, पर प्रतिकूल प्रभाव डाले, मेरी/हमारी प्रतिपूर्ति को पूर्ण रूप से समपहृत कर दिया जा सकेगा तथा बोली को जिस सीमा तक उसे स्वीकार किया गया है, रद्द किया जा सकेगा।

निविदादाता के हस्ताक्षर
मय मोहर

Signature valid

Digitally signed by Ajit Singh
Designation: Deputy Director
Date: 2025.05.30 11:27:04 IST
Reason: Approved

Compliance with the Code of Integrity and No Conflict of Interest

Any person participating in a procurement process shall -

- (a) not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process;
- (b) not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;
- (c) not indulge in any collusion, Bid rigging or anti-competitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
- (d) not misuse any information shared between the procuring Entity and the bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;
- (e) not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement process;
- (f) not obstruct any investigation or audit of a procurement process;
- (g) disclose conflict of interest, if any; and
- (h) disclose any previous transgressions with any Entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of interest:-

The bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest.

A Conflict of Interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

- i. A Bidder may be considered to be in Conflict of Interest with one or more parties in a bidding process if, including but not limited to:
 - a. have controlling partners/ shareholders in common; or
 - b. receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or
 - c. have the same legal representative for purposes of the bid; or
 - d. have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the bid of another Bidder, or influence the decisions of the Procuring Entity regarding the bidding process; or
 - e. the bidder participates in more than one Bid in a bidding process. Participation by a Bidder in more than one Bid will result in the disqualification of all Bids if the bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same contractor, not otherwise participating as a Bidder, in more than one Bid.
 - f. the bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the design or technical specifications of the Goods, Works or Services to be the subject of the bid; or

Signature valid
Digitally signed by Ajit Singh
Designation: Deputy Director
Date: 2025.05.30 17:27:04 IST
Reason: Approved

- g. Bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired) by the Procuring Entity as engineer-in-charge/consultant for the contract.

Annexure-B

Declaration by the bidder regarding Qualifications

Declaration by the bidder

In relation to my/our Bid submitted to for procurement of in response to their Notice Inviting Bids No Dated I/we hereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012, that:

- 1. I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the bidding Document issued by the Procuring Entity;**
- 2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any local authority as specified in the bidding Document;**
- 3. I/we are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons;**
- 4. I/we do not have, and our directors and officers not have, been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;**
- 5. I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the bidding Document, which materially affects fair competition;**

Date:

Place:

Signature of bidder Name:

Designation:

Address:

Signature valid

Digitally signed by Ajit Singh
Designation: Deputy Director
Date: 2025.05.30 17:27:04 IST
Reason: Approved

Grievance Redressal during Procurement Process

The designation and address of the First Appellate Authority is

The designation and address of the Second Appellate Authority is

(1) Filing an appeal

If any Bidder or prospective Bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the Procuring Entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued there under, he may file an appeal to First Appellate Authority, as specified in the bidding Document within a period of ten days from the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a Bidder as successful the appeal may be filed only by a Bidder who has participated in procurement proceedings:

Provided further that in case a Procuring Entity evaluates the Technical Bids before the opening of the Financial Bids, an appeal related to the matter of Financial Bids may be tiled only by a Bidder whose Technical Bid is found to be acceptable.

(2) The officer to whom an appeal is filed under para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall Endeavour to dispose it of within thirty days from the date of the appeal.

(3) If the officer designated under para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in para (2), or if the bidder or prospective Bidder or the Procuring Entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the bidder or prospective Bidder or the Procuring Entity, as the case may be, may file a second appeal to Second Appellate Authority specified in the bidding Document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in para (2) or of the date of receipt of the order passed by the First Appellate Authority, as the case may be.

(4) Appeal not to lie in certain cases

No appeal shall lie against any decision of the Procuring Entity relating to the following matters, namely:-

- (a) determination of need of procurement;
- (b) provisions limiting participation of Bidders in the bid process;
- (c) the decision of whether or not to enter into negotiations;
- (d) cancellation of a procurement process;
- (e) applicability of the provisions of confidentiality.

(5) Form of Appeal

(a) An appeal under para (1) or (3) above shall be in the annexed Form along with as many copies as there are respondents in the appeal.

(b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any, affording an opportunity for the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.

(c) Every appeal may be presented to First Appellate Authority, or Second Appellate Authority, as the case may be, in person or through registered post or authorised representative.

Signature valid

Digitally signed by Ajit Singh
Designation: Deputy Director

Date: 2025.05.30 17:27:04 IST

Reason: Approved

(6) Fee for filing appeal

- (a) Fee for first appeal shall be rupees two thousand five hundred and for second appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non-refundable.
- (b) The fee shall be paid in the form of bank demand draft or banker's cheque of a Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.

(7) Procedure for disposal of appeal

- (a) The First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.
- (b) On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, shall,-
 - (i) hear all the parties to appeal present before him; and
 - (ii) Peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter.
- (c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.
- (d) The order passed under sub-clause (c) above shall also be placed on the State Public Procurement Portal.

Signature valid

Digitally signed by Ajit Singh
Designation: Deputy Director
Date: 2025.05.30 11:27:04 IST
Reason: Approved

FORM No. I

[See rule 83]

**Memorandum of Appeal under the Rajasthan Transparency in Public Procurement Act,
2012**

Appeal Noof
Before the (First/Second Appellate Authority)

1. Particulars of appellant:

- (i) Name of the appellant:
 - 1. Official address, if any:
 - 2. Residential address:

2. Name and address of the respondent(s):

- (i)
- (ii)
- (iii)

3. Number and date of the order appealed against and name and designation of the officer / authority who passed the order (enclose copy), or a statement of a decision, action or omission of the Procuring Entity in contravention to the provisions of the Act by which the appellant is aggrieved:

4. If the Appellant proposes to be represented by a representative, the name and postal address of the representative:

5. Number of affidavits and documents enclosed with the appeal:

6. Grounds of appeal:

.....
.....
.....(Supported by an affidavit)

7. Prayer:

Place.....
Date

Appellant's Signature:

Signature valid

Digitally signed by Ajit Singh
Designation: Deputy Director
Date: 2025.05.30 17:27:04 IST
Reason: Approved

Annexure D :

Additional Conditions of Contract

1. Correction of arithmetical errors

Provided that a Financial Bid is substantially responsive, the procuring Entity will correct arithmetical errors during evaluation of Financial Bids on the following basis:

- i. If there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the Procuring Entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected;
- ii. If there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the total shall be corrected; and
- iii. If there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (i) and (ii) above.

If the bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors, its Bid shall be disqualified and its Bid Security shall be forfeited or its Bid Securing Declaration shall be executed.

2. Procuring Entity's Right to Vary Quantities

- (i) At the time of award of contract, the quantity of Goods, works or services originally specified in the bidding Document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the bidding Document. It shall be without any change in the unit prices or other terms and conditions of the bid and the conditions of contract.
- (ii) If the Procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the bidding Document due to change in circumstances, the bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the Conditions of Contract.
- (iii) In case of procurement of Goods or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not be more than 50% of the value of Goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last rate contract. If the Supplier fails to do so, the Procuring Entity shall be free to arrange for the balance rate contract by open Bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the Supplier.

Signature valid

Digitally signed by Ajit Singh

Designation: Deputy Director

Date: 2025.05.30 17:27:04 IST

Reason: Approved

3. Dividing quantities among more than one Bidder at the time of award (In case of procurement of Goods)

- (i) As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the bidder, whose Bid is accepted. However, when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large and it may not be in the capacity of the bidder, whose Bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such cases, the quantity may be divided between the bidder, whose Bid is accepted and the second lowest Bidder or even more Bidders in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the bidder, whose Bid is accepted.

Signature valid

Digitally signed by Ajit Singh
Designation: Deputy Director
Date: 2025.05.30 17:27:04 IST
Reason: Approved